भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

तसर रेशम कृषि मेला-2023

केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची

दिनांक : 3 मार्च, 2023

संस्थान की भागीदारी की झलकियां

भावाअशिप - वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डा. योगेश्वर मिश्रा के तत्पर निर्देशन एवं उप-वन संरक्षक, श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से. के मार्गदर्शन में दिनांक 03.03.2023 को केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची द्वारा आयोजित तसर रेशम कृषि मेला-2023 में संस्थान के श्री बी.डी.पंडित, श्री सुरज कुमार एवं श्री करम सिंह मुण्डा के एक दल ने भाग लिया जिसमे मुख्य अतिथि के रुप में राजेश्वरी बी., भा.प्र.से., मनरेगा आयुक्त, झारखंड सरकार, उपस्थित रही। इस अवसर पर श्रीमती आकांक्षा रंजन, भा.प्र.से., निदेशक, हस्तकरघा, रेशम एवम हस्तशिल्प, उद्योग विभाग, झारखंड सरकार, श्री ओंकार नाथ सिंह, कुलपति, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, डा. योगेश्वर मिश्रा, निदेशक, भावाअशिप-वन उत्पादकता संस्थान , रांची सहित अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। मेले में संस्थान के निदेशक, डा. योगेश्वर मिश्रा तकनीकी सत्र के सदस्य के रुप में सम्मिलित हुए। संस्थान के दल द्वारा मेलें में आवंटित स्टाल के माध्यम से संस्थान की उपलब्धियों तथा क्रियाकलापों को पोस्टर एवं पौधों के Live specimen के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

मेले में सम्मानित अतिथि के रुप में अपना वक्तव्य रखते हुए भावाअशिप - वन उत्पादकता संस्थान, रांची स्थान के निदेशक डा. योगेश्वर मिश्रा ने भावाअशिप - वन उत्पादकता संस्थान और तसर अनुसंधान संस्थान के संबंधों की चर्चा की एवं बताया कि कृषि वानिकी के क्षेत्र में दोनों संस्थान के साथ काम करने की असीम संभावनाए है। बाँस उत्पादन की चर्चा करते हुए उन्होने बताया कि संस्थान में लगभग 35 प्रजातियों की बाँस वाटिका (Bambusetum) अवस्थित है जो राष्ट्रीय बाँस मिशन (National Bamboo Mission) एवं बांस तकनीकी सहायता समूह (Bamboo Technical Support Group) के उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में बड़ी कदम है। अर्जुन, आसन, शहतूत आदि वृक्षों को विभिन्न परियोजनाओं में शामिल कर तसर उत्पादन एवं बेर पर लाह उत्पादन कर आदिवासियों के जीवन स्तर को सुधारा जा सकता है। मध्य प्रदेश की वानिकी की चर्चा करते हुए उन्होने बताया कि किसान दोगुना से भी अधिक आय अर्जित कर रहे हैं। आदिवासी महिलाओं के रोजगार हेतु विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिसमें तसर कुकून संग्रहण एवं धागाकरण के लिए संस्थान प्रेरित करती रही है। स्टाल की ओर इशारा करते हुए उन्होने बताया कि प्रदर्शित प्रदर्श सामग्रियो में संस्थान में विकसित पोपलर के क्लोन भी हैं जिससे बिहार के किसानों को काफी लाभ हुआ है। प्रदर्शन ग्राम कुटाम के किसानों ने केंचुआ खाद की प्रदर्शनी के माध्यम से अपने खाद की बिक्री की एवं वन उत्पादकता संस्थान के सहयोग से केचुआ खाद निर्माण की तकनीकी से भी हितधारकों को अवगत कराया।

तसर रेशम कृषि मेला-2023

केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची

दिनांक : 03.03.2023

कार्यक्रम के दौरान स्टाल का भ्रमण लगभग 150 लोगो नें किया तथा संस्थान द्वारा पोस्टर एवं पौधों के Live specimen के माध्यम से प्रदर्शित संस्थान की गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। भ्रमणकारियों को श्री बी.डी.पंडित, श्री सुरज कुमार एवं श्री करम सिंह मुण्डा द्वारा आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर आगंतुकों को संस्थान द्वारा तैयार की गई Booklets एवं leaflets भी वितरित की गई जिसे लोगों ने काफी पसंद किया।